

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़ (राज.)

पीठासीन अधिकारी:- विजयेश कुमार पण्डया, आरएएस,

प्रकरण संख्या:- 11/2026 (गुण्डा एक्ट)

दायर दिनांक:- 01.05.2026

सरकार जरिये जिला पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ (राज.)

-----प्रार्थी

बनाम

श्री गोविन्द पुत्र श्री जगदीश कुमावत निवासी कुलथाना थाना हथुनिया जिला प्रतापगढ़

-----अप्रार्थी/गैरसायल

:-प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 3 राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975:-

:--निर्णय--:

दिनांक:- 22 मई 2025

1-श्रीमान् कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ के आदेशांक/सरिश्ता/आदेश/2010/1571-1575 दिनांक 22.12.2010 से राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रकरणों में सुनवाई का क्षेत्राधिकार अदालत हाजा को दिये जाने से हस्तगत प्रकरण में सुनवाई इस न्यायालय द्वारा की जा रही है। संक्षिप्त में प्रार्थना पत्र के तथ्य इस प्रकार है कि जिला पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ ने हस्तगत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 3/2, राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 विरुद्ध अप्रार्थी/गैरसायल प्रस्तुत कर निवेदन किया कि गैरसायल व्यक्ति बदमाश प्रवृत्ति का होकर अवैध जुआं सट्टा खेलने का आदि है इसके विरुद्ध कोई गवाही देने की हिम्मत नहीं करता है। अप्रार्थी/गैरसायल के विरुद्ध 13 आर.पी.जी.ओ. के तहत 02 प्रकरण पंजीबद्ध होकर, सक्षम न्यायालय से दोषी करार जुर्माने से दण्डित किया गया है।

अप्रार्थी/गैरसायल के विरुद्ध निम्नांकित संज्ञेय अपराधों की ईत्तला रिपोर्ट थाना हथुनिया में दर्ज होकर, प्रकरणवार नतीजा न्यायालय उसके सामने अंकित है:-



अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट  
प्रतापगढ़ (राज.)

करण संख्या	अपराध अन्तर्गत धारा	तारीख
280/2025	13 आर.पी.जी.ओ.	16.08.25
315/2025	13 आर.पी.जी.ओ.	12.07.25

प्रार्थना पत्र ताईद में प्रथम सूचना रिपोर्ट, अपराधी/गैरसायल को विषय विषयगत रूप से प्रेषित किया गया है।

2-मामला बाद पंजीबद्ध कर, अपराधी/गैरसायल को जवाब परतुत करी किया गया।

3-हमने पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का गहनता से अध्ययन किया। विषय विषयगत गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2 (ख) तथा उसके अनुसूची प्रकीर्णन के अवलोकन से यह पूर्णतः स्पष्ट है कि किसी व्यक्ति को तभी गुण्डा कहा जा सकता है जब राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2 (ख) के अन्तर्गत अपराध प्रमाणित हो जाता है एवं उक्त प्रमाणित अपराध के कारण सजा दी गई हो। जिला पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रमाणों से अपराध प्रमाणित हो गया है। जिला पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रमाणों से अपराध प्रमाणित हो गया है। जिला पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रमाणों से अपराध प्रमाणित हो गया है। जिला पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रमाणों से अपराध प्रमाणित हो गया है।

4- थानाधिकारी हथुनिया द्वारा अपनी रिपोर्ट दिनांक 08.04.2025 में जारी किया गया कि गैरसायल क्षेत्र विशेष में जुआ अधिनियम की गतिविधियां कर रहा है जिसकी इन आपराधिक प्रकरणों में सजा के बावजूद गैरसायल की गतिविधियों में कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है।

5- प्रकरण में अभियोजन अधिकारी द्वारा अपनी टिप्पणी दिनांक 13.01.2025 के द्वारा गैरसायल का अपराध गुण्डा अधिनियम के अन्तर्गत पाया जाना दर्शाया गया है।

6-चूंकि अपराधी/गैरसायल को उपर वर्णित दोनों प्रकरणों में अपराध प्रमाणित होने के कारण न्यायालय द्वारा सजा भी दी जा चुकी है।

ऐसी स्थिति में अपराधी/गैरसायल श्री गोविन्द पिता जगदीश कुमावत निवासी कुलथाना जिला प्रतापगढ़ (राज.) को राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2 (ख) के अनुसार "गुण्डा" घोषित किया जाता है और आदेश दिया जाता है कि

1. श्री गोविन्द पिता जगदीश कुमावत निवासी कुलथाना जिला प्रतापगढ़ (राज.) को एक माह (30 दिवस) की अवधि के लिये निष्कासित किया जाता है। उक्त छः माह की अवधि तक के लिये सिटी कोषपात्री साजुषा निवासी साजुषा (राज0) में रहने की स्वीकृति दी जाती है।

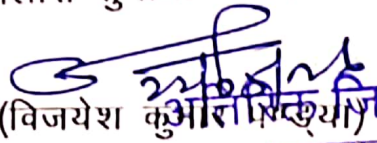


3. अप्रार्थी/गैरसायल को पाबन्द किया जाता है कि निष्कासन की अवधि में सिटी कोतवाली सलुम्बर जिला सलुम्बर के यहां साप्ताहिक उपस्थिति देगा एवं वगैर उनको सूचित किये क्षेत्र नहीं छोड़ेगा और ना ही जिला प्रतापगढ़ की सीमा में प्रवेश करेगा ।

4. निष्कासन अवधि के दौरान कोई भी तीखा अथवा तेज धार वाला अस्त्र या आयुध , कोई भी मादक मदिरा, अफीम, गांजा, चरस या भांग किसी विस्फोटक या ज्वलनशील वस्तु अथवा ऐरेटेड वाटर की बोतलों का उसके कब्जे में होना या उसके द्वारा उपयोग किया जाना निषेध रहेगा ।

5. किसी विशिष्ट शैक्षणिक संस्था, धार्मिक स्थल, मेला, हाटबाजार, सिनेमाघर या सार्वजनिक मनोरंजन स्थल जैसे- सार्वजनिक पार्क, रेस्टोरेन्ट, होटल अथवा किसी भी सरकारी भवन के समीप से विशिष्ट दूरी के भीतर उपस्थित नहीं होसकेगा ।

निर्णय आज दिनांक 22.05.2026 को लिखाया जाकर, सरे इजलास सुनाया गया ।

  
(विजयेश कुमार)  
आर.ए.एस. प्रतापगढ़ (राज.)  
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,  
प्रतापगढ़ (राज.)

प्रतिलिपि:-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

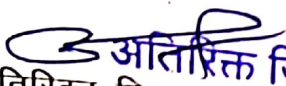
1-श्रीमान् जिला पुलिस अधीक्षक महोदय, प्रतापगढ़

2-श्रीमान् जिला पुलिस अधीक्षक महोदय, सलुम्बर

3-सिटी कोतवाली सलुम्बर/थानाधिकारी हथुनिया को भेजकर लेख है कि गैरसायल के जिला बदर एवं सुपुर्दगी की रिपोर्ट न्यायालय हाजा को निर्णय दिनांक से 3 दिवस के भीतर प्रस्तुत करे ।

4-अप्रार्थी/गैरसायल श्री गोविन्द पिता जगदीश कुमावत निवासी कुलथाना जिला प्रतापगढ़



  
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट  
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (राज.)  
प्रतापगढ़ (राज.)

